शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं को किया जागरूक

मऊरानीपुर दर्पण न्यूज



झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं ह्यूस्क्व टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शराब एवं नशीले पदार्थों के स्वास्थ्य, सामाजिक एवं कानूनी दुष्प्रभावों तथा नशे की स्थिति में वाहन चलाने से उत्पन्न सड़क सुरक्षा जोखिमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, 'सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। नशे की स्थिति में वाहन चलाने का एक गलत निर्णय कई जिंदगियों को प्रभावित कर सकता है।युवाओं को स्वयं सुरक्षित रहने के साथ अपने साथियों को भी जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करना चाहिए।' उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा, 'विश्वविद्यालय का दायित्व केवल विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनाना भी है। युवाओं में स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, कानून और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करना सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।' प्रो. सुनील कबिया, निदेशक, ह्यूस्क्व, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देता है जब विद्यार्थी अपने ज्ञान को व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हैं। उन्होंने युवाओं में अनुशासन, जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियानों की निरंतरता पर बल दिया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, 'युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता, नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया जा सकता है।' कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया। प्रो. एम. एम. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं की ऊर्जा एवं प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के परस्पर संबंध पर प्रकाश डाला, जबकि मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को नशे की स्थिति में वाहन न चलाने, सुरक्षित परिवहन विकल्प अपनाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. निष्ठा व्यास, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. रोहित पीयर्डन, सौरभ सविता, सतीश कुमार, सुश्री चंद्रिका एवं रोहित खरे सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा कि 'सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है।' इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड एवं स्कोर फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

है। पटना के गर्दनीबाग में छात्र 18 अगस्त से धरने पर बैठे हैं। करने की प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण वर्तमान बाजार के रुझान, प्रभावी बिक्री, इ- मौजूद रहा। मार्ग पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।

शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान



वारसी न्यूज ट्रुडे संवाददाता लखनऊ / झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 25 अगस्त 2026 को शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए शराब एवं नशीले पदार्थों के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और सड़क सुरक्षा संबंधी खतरों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को भी गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन एवं वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, कानूनी जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने ऐसे जागरूकता अभियानों को युवाओं के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, युवा किसी भी समाज और देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनोवेशन और जागरूकता के माध्यम से हम युवाओं को सकारात्मक एवं जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा, नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। युवाओं को यह समझना होगा कि एक गलत निर्णय न केवल उनका, बल्कि कई परिवारों का जीवन प्रभावित कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया। प्रो. एम.के. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक दिशा में उपयोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से युवाओं को नशे से जुड़े जोखिमों से बचने तथा सुरक्षित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने युवाओं के बीच सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने नशे से दूर रहने तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने, नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से बचना और नशे की स्थिति में वाहन न चलाना सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर से जुड़े प्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



WARSI NEWS

age, Rajguru had resolved youth.Prof. Sangeeta Shukla Rajguru—into a developed

Youth Awareness Campaign on Irresponsible Alcohol Consumption and Road Safety



Warsi News Today Correspondent Lucknow/ Jhansi: A youth awareness campaign addressing the prevention of irresponsible alcohol consumption and promoting road safety was organized on August 25, 2026, by the Innovation Cell and the DST Technology Enabling Center at Bundelkhand University, Jhansi, in collaboration with Consumer Voice, Consumer Guild, and the SCORE Foundation. The event's chief guest was Ms. Preeti Singh, SP (City), Jhansi. Addressing the youth, she urged them to remain vigilant about the health, social, and road safety risks associated with the irresponsible consumption of alcohol and intoxicants. She stated that driving under the influence places not only one's own life but also the lives of others on the road in grave danger. She appealed to the youth to adhere to traffic rules and make safe behavior an integral part of their lifestyle. The concluding and valedictory session was presided over by Prof. Mukesh Pandey, Vice-Chancellor of Bundelkhand University, Jhansi. He remarked that the university serves as a vital medium for fostering social responsibility, legal awareness, and responsible civic behavior among the youth alongside formal education. He emphasized that such awareness campaigns are essential for ensuring a safe and healthy future for the youth. Dr. Lavkush Dwivedi, Coordinator of the Innovation Cell, stated that the youth are the greatest strength of any society or nation. Raising awareness among them about the adverse effects of substance abuse and the importance of road safety is not merely a social necessity but a crucial step toward building a safe and responsible future. Through innovation and awareness, we can inspire the youth to adopt positive and responsible behavior. Advocate Abhishek Srivastava, Chairman of the Consumer Guild, highlighted the legal and practical risks of drunk driving, noting that driving under the influence is not just a violation of traffic rules but an irresponsible act that endangers the lives of others on the road. He stressed that young people must understand that a single wrong decision can impact not only their own lives but also the lives of many families. He urged the youth not to drive under the influence of intoxicants and to prevent their peers from doing the same.

Digital Empowerment of PM Vishwakarma Beneficiaries: S

LUCKNOW NEWS

शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान

उत्तर प्रदेश जनपद झांसी मुरादनगर की शान जिला ब्यूरो झांसी

झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 25 अगस्त 2026 को शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए शराब एवं नशीले पदार्थों के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और सड़क सुरक्षा संबंधी खतरों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को भी गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन एवं वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, कानूनी जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने ऐसे जागरूकता अभियानों को युवाओं के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, युवा किसी भी समाज और देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण



की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनोवेशन और जागरूकता के माध्यम से हम युवाओं को सकारात्मक एवं जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा, नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। युवाओं को यह समझना होगा कि एक गलत निर्णय न केवल उनका, बल्कि कई परिवारों का जीवन प्रभावित कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया। प्रो. एम.के. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक दिशा में उपयोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से युवाओं को नशे से जुड़े जोखिमों से बचने तथा सुरक्षित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने युवाओं के बीच सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने नशे से दूर रहने तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने, नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से बचना और नशे की स्थिति में वाहन न चलाना सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर से जुड़े प्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

Muradnagar ki Shaan

मदद से कार को काटकर सभी घायलों निरीक्षण किया और हादसे के कारणों के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रकट किया।

शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान

सावदाता आनंद कुमार

झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 25 अगस्त 2026 को शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए शराब एवं नशीले पदार्थों के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और सड़क सुरक्षा



संबंधी खतरों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को भी गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन एवं वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की।

संभलायक्त डॉ. लोकेश एस. ने जिलाधिकारी, नगर आयुक्त एवं अन्य संबंधित

AAJ

शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं को किया जागरूक

सुनहरा संसार ब्यूरो एएच सिद्दीकी

झांसी 25 अगस्त 2026। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं ऊर्जा टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 21 अगस्त 2026 को शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शराब एवं नशीले पदार्थों के स्वास्थ्य, सामाजिक एवं कानूनी दुष्प्रभावों तथा नशे की स्थिति में वाहन चलाने से उत्पन्न सड़क सुरक्षा जोखिमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ह्लसड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। नशे की स्थिति में वाहन चलाने का एक गलत निर्णय कई जिंदगियों को प्रभावित कर



सकता है। युवाओं को स्वयं सुरक्षित रहने के साथ अपने साथियों को भी जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करना चाहिए ह्ल उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा, ह्लविश्वविद्यालय का दायित्व केवल विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनाना भी है। युवाओं में स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, कानून और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करना सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रो. सुनील कबिया, निदेशक, क्दअउ, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देता है जब विद्यार्थी अपने ज्ञान को व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हैं। उन्होंने युवाओं में अनुशासन, जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियानों की निरंतरता पर बल दिया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, ह्लयुवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता, नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया जा सकता है।

SUNHERA SANSAR

शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं को किया जागरूक

सिद्धि सरकार
ब्यूरो अंसार हुसैन

झांसी कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं ह्यस्त्रा टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 21 अगस्त 2026 को शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शराब एवं नशीले पदार्थों के स्वास्थ्य, सामाजिक एवं कानूनी दुष्प्रभावों तथा नशे की स्थिति में वाहन चलाने से उत्पन्न सड़क सुरक्षा जोखिमों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ÷सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। नशे की स्थिति में वाहन चलाने का एक गलत निर्णय कई जिंदगियों को प्रभावित कर सकता है। युवाओं को स्वयं सुरक्षित रहने के साथ अपने साथियों को भी जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करना चाहिए।÷ उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की।

कार्यक्रम के वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा, ÷विश्वविद्यालय का दायित्व केवल विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनाना भी है। युवाओं में स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, कानून और



सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करना सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।÷

प्रो. सुनील कबिया, निदेशक, ह्यस्त्रा, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देता है जब विद्यार्थी अपने ज्ञान को व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हैं। उन्होंने युवाओं में अनुशासन, जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियानों की निरंतरता पर बल दिया।

डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, ÷युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता, नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया जा सकता है।÷

कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया।

प्रो. एम. एम. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं की ऊर्जा एवं प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के परस्पर संबंध पर प्रकाश डाला, जबकि मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को नशे की स्थिति में वाहन न चलाने, सुरक्षित परिवहन विकल्प अपनाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. निष्ठा व्यास, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. रोहित पीयर्डन, श्री सौरभ सविता, श्री सतीश कुमार, सुश्री चंद्रिका एवं श्री रोहित खरे सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा कि ÷सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है।÷ इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड एवं स्कोर फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

SIDDHI SARKAR

रोड होते हुए जिला पचायत स्थित जनेश्वर साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण लोग उपस्थित रहे।

शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान

फोकस टाइम्स झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड



विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 25 अगस्त 2026 को शराब के बढ़ते गैर–जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए शराब एवं नशीले पदार्थों के गैर–जिम्मेदाराना सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और सड़क सुरक्षा संबंधी खतरों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं के साथ–साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को भी गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन एवं वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं में शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, कानूनी जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने ऐसे जागरूकता अभियानों को युवाओं के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, युवा किसी भी समाज और देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनोवेशन और जागरूकता के माध्यम से हम युवाओं को सकारात्मक एवं जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा, नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर–जिम्मेदाराना कृत्य है। युवाओं को यह समझना होगा कि एक गलत निर्णय न केवल उनका, बल्कि कई परिवारों का जीवन प्रभावित कर सकता है।

FOCUS TIMES- JHANSI

निष्पक्ष पोस्ट

05 बुधवार,26 अगस्त 2026 नई दिल्ली उत्तर प्रदे

शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन और सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान



दैनिक निष्पक्ष पोस्ट

झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी द्वारा 25 अगस्त 2026 को शराब के बढ़ते गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए शराब एवं नशीले पदार्थों के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, सामाजिक और सड़क सुरक्षा संबंधी खतरों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे की स्थिति में वाहन चलाना स्वयं के साथ-साथ सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को भी गंभीर खतरे में डालता है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित व्यवहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के समापन एवं वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व, कानूनी जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने ऐसे जागरूकता अभियानों को युवाओं के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, युवा किसी भी समाज और देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इनोवेशन और जागरूकता के माध्यम से हम युवाओं को सकारात्मक एवं जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा, नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। युवाओं को यह समझना होगा कि एक गलत निर्णय न केवल उनका, बल्कि कई परिवारों का जीवन प्रभावित कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया। प्रो. एम.के. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का सकारात्मक दिशा में उपयोग देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के बीच संबंध पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से युवाओं को नशे से जुड़े जोखिमों से बचने तथा सुरक्षित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने युवाओं के बीच सामाजिक जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने नशे से दूर रहने तथा सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभागियों को जिम्मेदार व्यवहार अपनाने, नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन से बचना और नशे की स्थिति में वाहन न चलाना सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इस अवसर पर कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन तथा बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के इनोवेशन सेल एवं डीएसटी टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर से जुड़े प्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

NIKSPAKSH POST

शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवाओं को किया जागरूक

मऊरानीपुर दर्पण न्यूज



झांसी। कंज्यूमर वॉयस एवं कंज्यूमर गिल्ड, स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से इनोवेशन सेल एवं ष्ठस्ञ्ज टेक्नोलॉजी एनेबलिंग सेंटर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा शराब के गैर-जिम्मेदाराना सेवन की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा को लेकर युवा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शराब एवं नशीले पदार्थों के स्वास्थ्य, सामाजिक एवं कानूनी दुष्प्रभावों तथा नशे की स्थिति में वाहन चलाने से उत्पन्न सड़क सुरक्षा जोखिमों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसपी सिटी, झांसी श्रीमती प्रीति सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, 'सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। नशे की स्थिति में वाहन चलाने का एक गलत निर्णय कई जिंदगियों को प्रभावित कर सकता है।युवाओं को स्वयं सुरक्षित रहने के साथ अपने साथियों को भी जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित करना चाहिए।' उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के वैलेडिक्टरी सत्र की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पांडेय ने की। उन्होंने कहा, 'विश्वविद्यालय का दायित्व केवल विद्यार्थियों को अकादमिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरूक नागरिक बनाना भी है। युवाओं में स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, कानून और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता विकसित करना सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।' प्रो. सुनील कबिया, निदेशक, ढ्ढस्ट्ठ, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देता है जब विद्यार्थी अपने ज्ञान को व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हैं। उन्होंने युवाओं में अनुशासन, जागरूकता और जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए ऐसे अभियानों की निरंतरता पर बल दिया। डॉ. लवकुश द्विवेदी, समन्वयक, इनोवेशन सेल ने कहा, 'युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्हें नशे के दुष्प्रभावों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता, नवाचार और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युवाओं में सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन को प्रभावी रूप से बढ़ावा दिया जा सकता है।' कंज्यूमर गिल्ड के चेयरमैन अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने शराब पीकर वाहन चलाने के कानूनी एवं व्यावहारिक जोखिमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नशे में वाहन चलाना केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के जीवन को गंभीर खतरे में डालने वाला गैर-जिम्मेदाराना कृत्य है। उन्होंने युवाओं से नशे की स्थिति में वाहन न चलाने तथा अपने साथियों को भी ऐसा करने से रोकने का आह्वान किया। प्रो. एम. एम. सिंह, डीन, इंजीनियरिंग विभाग ने युवाओं की ऊर्जा एवं प्रतिभा को सकारात्मक दिशा में उपयोग करने तथा नशे से होने वाले व्यक्तिगत एवं सामाजिक नुकसान को समझने की आवश्यकता पर बल दिया। हेमंत उपाध्याय, कंज्यूमर वॉयस ने उपभोक्ता जागरूकता, जिम्मेदार व्यवहार और सड़क सुरक्षा के परस्पर संबंध पर प्रकाश डाला, जबकि मधुबन पांडेय, स्कोर फाउंडेशन ने सामाजिक जागरूकता एवं जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में शराब के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य, मानसिक, सामाजिक एवं कानूनी प्रभावों के साथ-साथ नशे की स्थिति में वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को नशे की स्थिति में वाहन न चलाने, सुरक्षित परिवहन विकल्प अपनाने तथा किसी अन्य व्यक्ति को भी नशे की हालत में वाहन चलाने से रोकने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. निष्ठा व्यास, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. रोहित पीयर्डन, सौरभ सविता, सतीश कुमार, सुश्री चंद्रिका एवं रोहित खरे सहित अन्य शिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा कि 'सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जीवन के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है।' इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, कंज्यूमर वॉयस, कंज्यूमर गिल्ड एवं स्कोर फाउंडेशन के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

DARPAN NEWS